B.A. part-I

Sub. — Pol. science

paper – I (Political Theory)

Dr. Dhananjay Jha.
Asst. Prof. Guest faculty/ part time.
Deptt. of Pol. Science
L.S. College Muzaffarpur
M – 8210688019.

Topic – "राजनीति विज्ञान का क्षेत्र"
(Scope of Pol. science)
(परम्परागत दृष्टिकोण)

⇒ परम्परागत दृष्टिकोण के अनुसार, राजनीति विज्ञान राज्य का उसके विगत, वर्तमान तथा भावी सन्दर्भों में अध्ययन करता है। दूसरे शब्दों में, इस विषय की सीमाओं के अन्तर्गत हम राज्य का अध्ययन जैसा वह था, जैसा वह है, एवं जैसा वह भविष्य में हो सकता है/या होना चाहिए के रूप में करते हैं।

⇒ सर्वप्रथम हम राज्य के अध्ययन का वह भाग लेते हैं जैसा वह भूतकाल में रहा है। यहाँ राजनीति वैज्ञानिक सत्ता के मूल एवं विकास से सम्बन्ध रखने वाले इतिहासकार की भाँति कार्य करता है। वह संगठित राजनीतिक जीवन के आरंभ का सर्वेक्षण करता है। राजनीति के रूपों के समय से जटिल होने के विकास पर विचार करता है तथा राज्य की संवैधानिक संस्थाओं के विकास का अध्ययन करता है।

⇒ परम्परागत दृष्टिकोण के अन्तर्गत राजनीतिक चिन्तन की विभिन्न धाराओं का अध्ययन तथा राज्य की समाज में सत्ता तथा प्रभाव (Authority and Influence) के लिए संघर्षरत गुटों व संस्थाओं की भूमिका का समझना भी शामिल है। यह आवश्यक नहीं कि इस सन्दर्भ में राजनीति विज्ञान का अध्ययन ऐतिहासिक दृष्टि से प्रामाणिक हो, यह भी संभव है कि राज्य की उत्पत्ति के स्रोत अस्पष्ट होने के कारण वह अनुमानों पर आधारित हो।

→ सर फ्रेडरिक पोलक ने परम्परागत राजनीति विज्ञान या राजनीति (पॉलिटिक्स) का क्षेत्र निर्धारित करते हुए उसे दो भागों में विभाजित किया है और दोनों के अन्तर्गत अलग-2 विषयों को सम्मिलित/समावेशित करने का काम किया है।

— (1) सैद्धान्तिक राजनीति (Theoritical Politics)

सर फ्रेडरिक पोलक ने सैद्धान्तिक राजनीति को चार उप विभागों में विभाजित किया है ↑

- (i) राज्य का सिद्धान्त (Theory of the state)
- (ii) शासन का सिद्धान्त (Theory of the Govt.)
- (iii) विधान का सिद्धान्त (Theory of Legislation)
- (iv) कृत्रिम व्यक्तियों के रूप में राज्य का सिद्धान्त (Theory of the state as an artificial person)

— (2.) व्यावहारिक राजनीति या प्रयोगात्मक राजनीति

- (i) राज्य - सरकार के वास्तविक स्वरूप (The state-actual froms of Govt.)
- (ii) सरकार — सरकार की कार्यप्रणाली, शासन प्रणाली (Government — The working of Government, administration etc.)
- (iii) विधि और विधि निर्माण - प्रणाली, अदालत आदि। (Laws and Legislation - procedure, Courts etc.)
- (iv) व्यक्ति के रूप में राज्य — कूटनीति, शान्ति, युद्ध और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध।

(The state personified diplomacy, Peace, war and International dealings)।

⟹ जब हम राजनीति विज्ञान के सैद्धान्तिक पक्ष (Theoritical aspect) की बात करते हैं तो इसके अन्तर्गत राज्य की उत्पत्ति (Generation of the state), राज्य का स्वरूप (Nature of the state), राज्य का उद्देश्य (Aim of the state) राज्य की उपयोगिता (Utility of the state) और वर्ग-चरित्र आदि से सम्बन्धित प्रश्नों की चर्चा हम करते हैं। इसे हम राज्य सिद्धान्त / राजनीतिक सिद्धान्त या राजनीतिक दर्शन कहते हैं।

⟹ इसी प्रकार जब हम राजनीति विज्ञान के व्यावहारिक अथवा प्रयोगात्मक पक्ष की बात करते हैं तो इसके अन्तर्गत राजनीतिक संस्थाओं के संगठन तथा उनके कार्यों और विभिन्न प्रकारों की चर्चा हम करते हैं जिसे तुलनात्मक राजनीति या वैधानिक शासन की संज्ञा दी जाती है।

⟹ परम्परागत राजनीति विज्ञान के क्षेत्र को निर्धारित करते हुए विभिन्न विद्वानों ने अपने-2 ढंग से राजनीति विज्ञान को परिभाषित करने का काम किया है।

⟹ प्रसिद्ध फ्रांसीसी लेखक पॉल जेनेट का कहना है कि - "राजनीति विज्ञान समाज विज्ञान का वह अंग है, जो राज्य के मूल आधार और शासन के सिद्धान्तों की व्याख्या करता है।"

⟹ आर० जी० गैटेल ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'पॉलिटिकल साइंस' में राजनीति विज्ञान को 'राज्य के विज्ञान' के रूप में परिभाषित किया है। उनका कहना है कि "राजनीति विज्ञान यह बतलाता है कि पिछले समय में अर्थात भूतकाल में राज्य का क्या-2 रूप रहा है, इस समय इसका क्या स्वरूप है, और इसका आदर्श स्वरूप क्या होना चाहिए"।

—x—